भारत सरकार, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का आंकलन करने के लिए दिनांक 28.11.2014 को श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी (का.) द्वारा संस्थान का निरीक्षण किया गया। श्री बदरी यादव श्रेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर), राजभाषा विभाग, गुवाहाटी से राजभाषा निरीक्षण हेतु संस्थान में उपस्थित हुए थे। सर्वप्रथम डॉ. विपिन प्रकाश, वैज्ञानिक 'डी' एवं कार्यकारी हिन्दी अधिकारी ने श्री यादव का स्वागत किया तथा उनको हिन्दी प्रकोष्ठ की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। श्री यादव ने संस्थान के हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा किए गये कार्यों का लेखा-जोखा लिया एवं राजभाषा कार्यों की सराहना की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2013-14 के हिन्दी त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदनों के आँकड़ों का सत्यापन भी किया। इसके उपरान्त उनके स्वागत हेतु संस्थान के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक सह हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसमें संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सम्मानीय सदस्य तथा प्रत्येक प्रभाग/अनुभाग से नामित सहायक उपस्थित थे। कार्यशाला का शुभारंभ श्री यादव को असमीया पारंपरिक तरीके अर्थात् एक 'फुलाम गामोछा' पहनाकर किया गया। डॉ. प्रकाश ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों से श्री यादव का परिचय कराया तथा एवं राजभाषा से संबंधित अपने जिज्ञासाओं को प्रकट करने के लिए आग्रह किया। कार्यशाला में श्री यादव ने संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए विनिर्दिष्ट वार्षिक कार्यक्रम व त्रैमासिक प्रतिवेदन से संबंधित जानकारी सभी के सम्मुख प्रस्तुत किया। उन्होंने हिन्दी में काम करने के नकारात्मक सोच को बदलकर आगे बढ़ने के लिए सभी को प्रेरित किया। उनके अनुसार टीम भावना से हिन्दी को अपने मर्यादापूर्ण स्थान पर पहुँचाया जा सकता है। कार्यशाला का अंत श्री शंकर शर्मा, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा हुआ।

श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी (का.), राजभाषा विभाग तथा कार्यशाल में उपस्थित प्रतिभागी